वार्षिक पाठ्यक्रम (2024-25)

कक्षा -XII

विषय -इतिहास (कोड - 027)

अध्याय 1 ईटें, मनके तथा अस्थियाँ हड़प्पा सभ्यता	प्रारम्भिक नगरों की कहानी , हड़प्पाई पुरातत्व, सामान्य पर्यावलोकन: प्रारम्भिक शहरी केंद्र, खोज की कहानी। हड़प्पाई सभ्यता, मुख्य स्थलों पर पुरातत्वीय रिपोर्ट। विचार विमर्श - इसका उपयोग पुरातत्वेता तथा इतिहासकारों ने किस प्रकार किया है, मानचित्र कार्य।
अध्याय 2 राजा, किसान और नगर आरम्भिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600ई. पू .से 600 ई)	राजनीतिक एवं आर्थिक इतिहास, शिलालेख इनकी कहानी कैसे बताते है। सामान्य पर्यावलोकन: मौर्यकाल से गुप्तकाल तक की राजनैतिक एवं आर्थिक इतिहास। खोज की कहानी, शिलालेख व लिपि को पढ़ना, राजनैतिक एवं आर्थिक इतिहास की समझ में परिवर्तन। उद्धरण -अशोक के शिलालेख एवं गुप्तकालीन भूमि अनुदान। विचार-विमर्श - इतिहासकारों द्वारा शिलालेखों की व्याख्या।
अध्याय 3 बंधुत्व, जाति तथा वर्ग आरम्भिक समाज (लगभग 600ई. पू .से 600 ईसवी)	सामाजिक इतिहास - इतिहास रचने के लिए महाभारत का उपयोग। सामान्य पर्यावलोकन: सामाजिक इतिहास की समस्याएँ- जाति, वर्ग, नातेदारी, लिंग भेद। खोज की कहानी, महाभारत का संचारण एवं प्रकाशन। उद्धरण : इतिहासकारों द्वारा महाभारत का किस प्रकार प्रयोग किया गया,सोदाहरण। विचार विमर्श : सामाजिक इतिहास की पनः रचना के अन्य स्रोत। मानचित्र कार्य ग्रीष्मकालीन अवकाश के लिए गृहकार्य और परियोजना कार्य।
अध्याय 4 विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600से ईसा संवत 600 तक)	बौद्ध धर्म का इतिहास, सांची स्तूप सामान्य पर्यावलोकन : (क) वैदिक धर्म, जैन धर्म, वैष्णव धर्म, शैव धर्म की संक्षिप्त समीक्षा। (ख) केंद्र बिन्दु -बौद्ध धर्म। खोज की कहानी : सांची स्तूप। उद्धरण- सांची की मूर्तियों के चित्रों की व्याख्या। प्राचीन भारतीय हिन्दू मंदिरों की स्थापत्य कला। बौद्ध धर्म का इतिहास। विचार-विमर्श : वे तरीके जिनके द्वारा इतिहासकारों ने मूर्तियों की व्याख्या की है।
अध्याय 5 यात्रियों के नजरिये समाज के बारे में उनकी समझ (लगभग दसवीं से सत्रहवीं सदी तक)	यात्रियों के विवरणों के जरिये मध्ययुगीन समाज। सामान्य पर्यावलोकन : यात्रियों के विवरणों के अनुसार मध्ययुगीन सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन की रूपरेखा। उनके लेखों की कहानी, उन्होने कहाँ और क्यों यात्रा की, उन्होंने क्या और किनके लिए लिखा। इन मुद्दों पर चर्चा। उद्धरण : अल-बिरुनी,इब्न-बतूता और बनियर। विचार-विमर्श : ये यात्रा विवरण हमें क्या बताते हैं और इतिहासकारों ने इनकी व्याख्या कैसे की।

अध्याय **6** भक्ति सूफी परम्पराएँ धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्वा ग्रन्थ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)	धार्मिक इतिहास - भक्ति सूफी परम्पराएँ , सामान्य पर्यावलोकन : (क) इस काल की धार्मिक गतिविधियों की रूपरेखा (ब) भक्ति एवं सूफी संतों के विचार और आचार। सम्प्रेषण : भक्ति सूफी रचनाओं को कैसे | सुरक्षित रखा गया है? उद्धरण- भक्ति और सूफी ग्रन्थों से लिए गए उदाहरण। विचार-विमर्श : वे तरीके जिनके द्वारा इतिहासकारों ने इन ग्रन्थों की व्याख्याएँ की हैं।
अध्याय **7** एक सामाज्य की राजधानी**:** विजयनगर (लगभग चौदहवीं से सोलहवीं सदी तक)	नवीन वास्तुकला हम्पी- सामान्य पर्यावलोकन (क) विजयनगरकालीन मंदिरों, किलों,सिंचाई सुविधाओं,इमारतों की रूपरेखा (ख) राजनीतिक व्यवस्था एवं वास्तुकला से संबंध, नवीन वास्तुकला- हम्पी। हम्पी की खोज की कहानी, उद्धरण- हम्पी के भवनों से दृश्य। विचार-विमर्श: इतिहासकारों ने इन भवनोंका विश्लेषण एवं व्याख्या किन तरीकों से की हैं। मानचित्र कार्य।

नोट **:** मध्यावधि पाठ्यक्रम **13** सितम्बर **2024** तक पूर्ण किया जाना चाहिए ।

पुनरावृत्ति और मध्यावधि प्रश्न पत्र पर चर्चा ।

अध्याय **8** किसान**,**जमींदार और राज्य कृषि समाज और मुग़ल साम्राज्य (लगभग सोल हवीं से सत्र हवीं सदी तक) अध्याय **9:** उपवेशवाद तथा देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन	किसान,जमींदार और राज्य कृषि संबंध, आईन-ए-अकबरी सामान्य पर्यावलोकन: (क) सोलहवीं और सत्रहवीं शताब्दी में कृषि संबंधों का ढाँचा। (ख) इस काल में परिवर्तनों के प्रतिरूप। खोजों की कहानी, आईन-ए-अकबरी के संग्रहण एवं अनुवाद का विवरण।उद्धरण: आईन-ए-अकबरी से। | विचार-विमर्श : इतिहासकारों द्वारा इतिहास की पुनः रचना में प्रयुक्त मूल पाठ का प्रयोग किस प्रकार किया गया है। उपवेशवाद तथा देहात सामान्य पर्यावलोकन: (क) अठारहवी शताब्दी में जमीदारों, किसानो, शिल्पकारों का जीवन। (ख) ईस्ट इंडिया कंपनी, राजस्व प्रणाली तथा सर्वेक्षण। (ग) उन्नीसवीं शताब्दी मे आए परिवर्तन, सरकारी रिकॉर्ड : उद्देश्य प्रकार और रिपोर्टस क्या कहती है ।उपनिवेशवाद तथा ग्रामीण समाज, पाँचवी रिपोर्ट, फ्रांसिस बुकाननन, हमिलटन और दक्कन दंगा आयोग की रिपोर्ट। विचार-विमर्श: सरकारी दस्तावेज़ क्या कहते है और क्या नहीं कहते तया इतिहासकारों ने इसका प्रयोग किस प्रकार किया है? मानचित्र कार्य पुनरावृत्ति कार्य मध्यावधि परीक्षा प्रश्नपत्र पर चर्चा परियोजना कार्य
अध्याय **10 :** विद्रोही और राज 1857 का आन्दोलन और उसके व्याख्यान	विद्रोही और राज -1857 का चित्रण सामान्य पर्यावलोकन: 1857-58 की इन घटनाओं को किस प्रकार दर्ज किया गया। केंद्र बिन्दुः लखनऊ, उद्धरण-1857 के चित्र, उद्धरण- समकालीन विवरणी से। विचार-विमर्श : 1857 के चित्रों ने उस विद्रोह के प्रति अंग्रेजी के विचारों को किस प्रकार प्रभावित किया। मानचित्र कार्य
अध्याय **11:** महात्मा गांधी और राष्ट्रीय आंदोलन	समकालीन दृष्टि में महात्मा गांधी। सामान्य पर्यावलोकन: (क) 1918-1948 के मध्य राष्ट्रीय आंदोलन (ख) गांधीवादी राजनीति एवं नेतृत्व की प्रकृति।केंद्र बिन्दुः महात्मा गांधी और तीन आंदोलन गांधीजी के अंतिम श्रेष्ठम क्षण।

सविनय अवज्ञा और उससे आगे	भारतीय एवं अंग्रेजी भाषा के समाचार पत्रों की रिपोर्ट एवं अन्य समकालीन लेख। विचार-विमर्श: समाचार पत्र किस प्रकार इतिहास लेखन के स्रोत हो सकते हैं। मानचित्र कार्य।
अध्याय **12:** संविधान का निर्माण एक नये युग की शुरुआत	सामान्य पर्यावलोकन : (क) स्वतंत्रता एवं नवराष्ट्र (ख) संविधान का निर्माण | केद्र विन्दु : संविधान सभा मे वाद-विवाद, उद्धरण संविधान सभा में वाद-विवाद। विचार-विमर्शः ये वाद-विवाद क्या दर्शाते हैं तथा उनका विश्लेषण कैसे किया जा सकता है। मानचित्र कार्य। परियोजना कार्य।

प्री बोर्ड परीक्षा का पाठ्यक्रम **13/12/2024** तक पूर्ण होना चाहिए ।

मानचित्रों की सूची :

S. No	**Page No.**	**Part – I Maps**
1	2	Mature Harappan sites: Harappa, Banawali, Kalibangan, Balakot, Rakhigarhi, Dholavira, Nageshwar, Lothal, Mohenjodaro, Chanhudaro, KotDiji.
2	3	Mahajanapada and cities: Vajji, Magadha, Kosala, Kuru, Panchala, Gandhara, Avanti, Rajgir, Ujjain, Taxila, Varanasi.
3	33	Distribution of Ashokan inscriptions: Pillar inscriptions – Sanchi, Topra, Meerut Pillar and Kaushambi. Kingdom of Cholas, Cheras and Pandyas.
4	43	Important kingdoms and towns: Kushanas, Shakas, Satavahanas, Vakatakas,Guptas Cities/towns: Mathura, Kanauj, Puhar, Braghukachchha, Shravasti, Rajgir, Vaishali, Varanasi,Vidisha
4	95	Major Buddhist Sites: Nagarjunakonda, Sanchi, Amaravati, Lumbini, Bharhut, Bodh Gaya, Ajanta
S.No.	**Page NO.**	**Part - 2 Maps**

6	174	Bidar, Golconda, Bijapur, Vijayanagar, Chandragiri, Kanchipuram, Mysore, Thanjavur, Kolar, Tirunelveli
7	214	Territories under Babur, Akbar and Aurangzeb: Delhi, Agra, Panipat, Amber, Ajmer, Lahore, Goa.
S.No.	**Page NO.**	**Part - 3 Maps**
8	287	Territories/cities under British Control in1857: Punjab, Sindh, Bombay, Madras Berar, Bengal, Bihar, Orissa, Surat, Calcutta, Patna, Allahabad
9	260	Main centres of the Revolt of 1857: Delhi, Meerut, Jhansi, Lucknow, Kanpur, Azamgarh, Calcutta, Benaras, Gwalior, Jabalpur, Agra, Awadh
10		Important centres of the National Movement: Champaran, Kheda, Ahmedabad, Benaras, Amritsar, Chauri Chaura, Lahore, Bardoli, Dandi, Bombay (Quit India Resolution), Karachi

नोट : पाठ्यक्रम सम्बंधी और अधिक जानकारी हेतु सीबीएसई का पाठ्यक्रम विनिर्देशन **2024-25** देखें ।

https://www.cbseacademic.nic.in/web_material/CurriculumMain25/SrSec/History_SrSec_2024-25.pdf